**Kiara** Let's Make Life Happy

# Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 80011505 | Date: 12/05/2020 | Validity : 1 Month Only

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नाम: | Jaimin Patel | जन्म तिथि: | 04/05/1983 | जन्म समय: | 04:00 AM |
| जन्म स्थान: | Vadodara | मांगलिक योग: | NO | इष्ट देव: | Chandra Dev |
| लग्न: | Meen Lagna | राशि: | Makar | नक्षत्र: | उत्तराषाढ़ा - 3 |

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

| S.No | योग कारक (अच्छा) ग्रह | शुभ फल देने की क्षमता | मारक (शत्रु) ग्रह | अशुभ फल देने की क्षमता |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Guru (व) | 100% | Shukra | 10% |
| 2. | Mangal (च) | 0% | Surya (उच्च) | 100% |
| 3. | Chandra | 30% | Budh (व) | 50% |
| 4. | Rahu (व) (उच्च) | 50% | | |
| 5. | Ketu (व) (उच्च) | 50% | | |
| 6. | Shani Dev (व) (As per Vipreet Rajyog) | 60% | | |

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): ~~① धन-लक्ष्मी राजयोग : (मंगल का मूँगा Required = 100%) मंगल का बल बढ़ाना है तभी गुरु 100% result देंगे otherwise गुरु~~ 60% तक अच्छा फल दे पाएंगे।

3. कुण्डली दोष: ① सूर्य ग्रहण योग
→ सूर्य के दान व रोजाना जल अवश्य दें। (दान रविवार को होंगे)

4. शुभ दिन: Tuesday, Monday, Thursday

5. शुभ रंग: (लाल, पीला) अशुभ: (मरून, हरा)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

| Gemstones (रत्न) | Ratti | Hand | Finger | Details |
|---|---|---|---|---|
| 1. पुखराज | 8+ | Right | Index | बृहस्पतिवार को शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें! (सोने में). |
| 2. मोती | 10+ | Right | Little | सोमवार को चाँदी में शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर |
| 3. मूँगा | 10+ | Right | Ring. | मंगलवार को सोने, पीतल में शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें। |

**Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee)**, Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

**7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

ओपल, हीरा, नीलम, पन्ना, फिरोजा आदि रत्न वर्जित है।

**नोट :** रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

**8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** : सूर्यदेव :- सूर्य देव का दान रविवार को करने से शरीर में रोग कम होंगे तथा कर्जा, शत्रु समाप्त होंगे। रोजाना सूर्य देव को जल दे। "ॐ सूर्याय नमः" का जाप भी करे।

**9. रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th ) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

**सूर्य देव** : हड्डिओं के रोग, हृदय रोग, आँखों सम्बन्धी रोग।

**चन्द्रमा देव** : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया, फेफड़ो के रोग

**मंगल देव** : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

**बुध देव** : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।



Scanned with CamScanner

**वृहस्पति देव** : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

**शुक्र देव** : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

**शनि देव** : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

**राहु देव** : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

**केतु देव** : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

**10. रोग कम करने के लिए दान :** सूर्य देव, बुध देव, शुक्र देव का दान करने से पूरी तरह निरोगी रहा जा सकता है। तथा समस्याएं भी दूर होंगी!

**Comments:**

☺ Simple Nature, भाग्यशाली, उदार हृदय रहेगा, loving & Caring. दूसरो की मदद करने वाले। गरीबो का दुःख: दर्द देखा नहीं जाएगा! शान्त स्वभाव रहेगा!

☺ वाणी Sometimes उग्र होना स्वाभाविक है लेकिन समय के साथ वाणी भी मधुर होगी! मूँगा अवश्य धारण करे!

☺ बुध देव 3rd house में बैठने से अशुभ हो जाते है। केन्द्र आधिपति दोष लगता है। इसलिए पत्नी के साथ तनाव की स्थिति रह सकती है। सामाजिक क्षेत्र के लोग मतलब ज्यादा रहेंगे। तथा उनसे निराशा भी मिलेगी, land dispute भी बनेंगे।

↳ बुध देव का दान regular life में अवश्य करे!

↳ बाजरा पंछियों को खिलाऐ (रोजाना)

↳ हरे रंग की वस्तु (vegetables) का दान करें हर बुधवार को।

↳ किन्नर को हरे रंग की साड़ी गिफ्ट करे → immediate relief मिलेगी!



Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

☺ सूर्य के उपाय व दान करने से परिवार में खुशहाली आएगी। Savings बढ़ेगी, Bank Balance बढ़ेगा। मानसिक तनाव तथा Health समस्या, शत्रु, courtcase जैसी चीजें हमेशा के लिए हट जाएंगी।

↳ सूर्य के दान रविवार को अवश्य करें। (गेहूँ तथा आटा का दान)
↳ मानिक जल प्रवाह करने से immediate सूर्य देव शान्त होंगे।

शनि साढ़ेसाती :- शनि देव की साढ़ेसाती चल रही है। पहला 2½ साल 23/01/2020 को समाप्त हो गया है। 2nd 2½ साल 24/01/20 से चल रहा है। शनि देव को शान्त करना है।

↳ गलत कर्म बिल्कुल भी ना करें। गरीबों की सेवा करें तथा मदद करें। मतलब पुण्य का काम व अच्छा कर्म करना है। शनि देव की साढ़ेसाती का शुभ फल मिलने लगेगा।

↳ लोहे का तवा, चिमटा, सरसों का तेल (oil) का दान हर शनिवार को सूर्यास्त के बाद अवश्य करें तथा अमावस्या के दिन दान अवश्य करें। अमावस्या को गंगाजल पानी में डालकर स्नान करें। (काले रंग का दान करना है)।
↳ पीपल के पेड़ को जल दें। तथा दीपक जलाएं।
↳ शनि देव से क्षमा मांगें तथा क्षमा प्रार्थना करें।
↳ शनि देव का पाठ & मंत्र जाप सूर्यास्त के बाद रोजाना 5-10 mints अवश्य करें।



Scanned with CamScanner

**कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :**

| ग्रह | उपाय & दान |
|---|---|
| **सूर्य देव के उपाय:**<br><br>**(रविवार को करना है)** | **सूर्य देव को रोजाना जल देना,** तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।**<br><br>**सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः )** |
| **बुद्ध देव के उपाय:**<br><br>**(बुधवार को करना है)** | हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः )** |
| **शुक्र देव के उपाय:**<br><br>**(शुक्रवार को करना है)** | चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**<br><br>हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें।<br>**(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः )** |
| **शनि देव के उपाय:**<br><br>**(शनिवार को करना है)** | काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।**<br><br>शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें।<br>**(ॐ शं शनैश्चराय नमः )** |

**नोट: अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

# ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011505 Date: 12/05/2020

## Jaimin Patel

04 May 1983 04:00 AM

Vadodara

# Jaimin Patel

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011505 Date: 12/05/2020

| | |
|---|---|
| लिंग | : पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | : **3-04/05/1983** |
| दिन | : मंगल–बुधवार |
| **जन्म समय** | : **04:00:00 ांटे** |
| इष्ट | : 54:48:52 घटी |
| **स्थान** | : **Vadodara** |
| राज्य | : Gujarat |
| देश | : India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | : 22:19:00 उत्तर |
| रेखांश | : 73:14:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | : -00:37:04 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | : 03:22:56 घंटे |
| वेलान्तर | : 00:03:04 घंटे |
| साम्पातिक काल | : 18:07:57 घंटे |
| सूर्योदय | : 06:04:27 घंटे |
| सूर्यास्त | : 19:03:58 घंटे |
| दिनमान | : 12:59:31 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | : उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | : उत्तर |
| ऋतु | : ग्रीष्म |
| सूर्य के अंश | : 19:17:39 मेष |
| लग्न के अंश | : 09:00:45 मीन |

| | |
|---|---|
| चैत्रादि संवत / शक | : 2040 / 1905 |
| मास | : वैशाख |
| पक्ष | : कृष्ण |
| सूर्योदय कालीन तिथि | : 6 |
| तिथि समाप्ति काल | : 17:29:25 |
| जन्म तिथि | : 7 |
| सूर्योदय कालीन नक्षत्र | : पूर्वाषाढ़ा |
| नक्षत्र समाप्ति काल | : 09:00:08 घंटे |
| जन्म नक्षत्र | : उत्तराषाढ़ा |
| सूर्योदय कालीन योग | : साध्य |
| योग समाप्ति काल | : 24:12:52 घंटे |
| जन्म योग | : शुभ |
| सूर्योदय कालीन करण | : वणिज |
| करण समाप्ति काल | : 17:29:25 घंटे |
| जन्म करण | : विष्टि |
| भयात | : 47:29:40 |
| भभोग | : 67:27:37 |
| भोग्य दशा काल | : सूर्य 1 वर्ष 9 मा 8 दि |

| **अवकहड I चक्र** | |
|---|---|
| लग्न–लग्नाधिपति | : मीन – गुरु |
| **राशि–स्वामी** | : **मकर – शनि** |
| **नक्षत्र–चरण** | : **उत्तराषाढ I – 3** |
| नक्षत्र स्वामी | : सूर्य |
| योग | : शुभ |
| करण | : विष्टि |
| गण | : मनुष्य |
| योनि | : नकुल |
| नाड़ी | : अन्त्य |
| वर्ण | : वैश्य |
| वश्य | : जलचर |
| वर्ग | : सिंह |
| युँजा | : अन्त्य |
| हंसक | : भूमि |
| जन्म नामाक्षर | : जा–जामवंत |
| पाया(राशि–नक्षत्र) | : स्वर्ण – ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : वृष |

| **ाात चक्र** | |
|---|---|
| मास | : वैशाख |
| तिथि | : 4-9-14 |
| दिन | : मंगलवार |
| नक्षत्र | : रोहिणी |
| योग | : वैधृति |
| करण | : शकुनि |
| प्रहर | : 4 |
| वर्ग | : मृग |
| लग्न | : कुम्भ |
| सूर्य | : कुम्भ |
| चन्द्र | : सिंह |
| मंगल | : मीन |
| बुध | : धनु |
| गुरु | : मेष |
| शुक्र | : वृष |
| शनि | : मकर |
| राहु | : मिथुन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मीन | 09:00:45 | 478:21:10 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | शुक्र | ——— |
| सूर्य | | | मेष | 19:17:39 | 00:58:10 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | राहु | उच्च राशि |
| चंद्र | | | मक | 06:03:38 | 11:50:36 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | बुध | सम राशि |
| मंगल | | अ | मेष | 27:07:09 | 00:43:10 | कृतिका | 1 | 3 | मंगल | सूर्य | सूर्य | स्वराशि |
| बुध | व | | वृष | 01:42:50 | 00:11:25 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | गुरु | मित्र राशि |
| गुरु | व | | वृश्चि | 15:17:18 | 00:06:08 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | मित्र राशि |
| शुक्र | | | मिथु | 00:07:49 | 01:08:22 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | बुध | मित्र राशि |
| शनि | व | | तुला | 06:35:23 | 00:04:24 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | चंद्र | उच्च राशि |
| राहु | | | मिथु | 02:17:01 | 00:01:15 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | केतु | उच्च राशि |
| केतु | | | धनु | 02:17:01 | 00:01:15 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | उच्च राशि |
| हर्ष | व | | वृश्चि | 14:29:05 | 00:02:10 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | ——— |
| नेप | व | | धनु | 05:19:55 | 00:00:59 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | मंगल | ——— |
| प्लूटो | व | | तुला | 04:06:14 | 00:01:37 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | ——— |
| दशम भाव | | | धनु | 08:12:07 | -- | मूल | -- | 19 | गुरु | केतु | गुरु | -- |

व – वक्री  स – स्थिर
अ – अस्त  पू – पूर्ण अस्त
राहु  स्पष्ट

**चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:09**

## लग्न–चलित

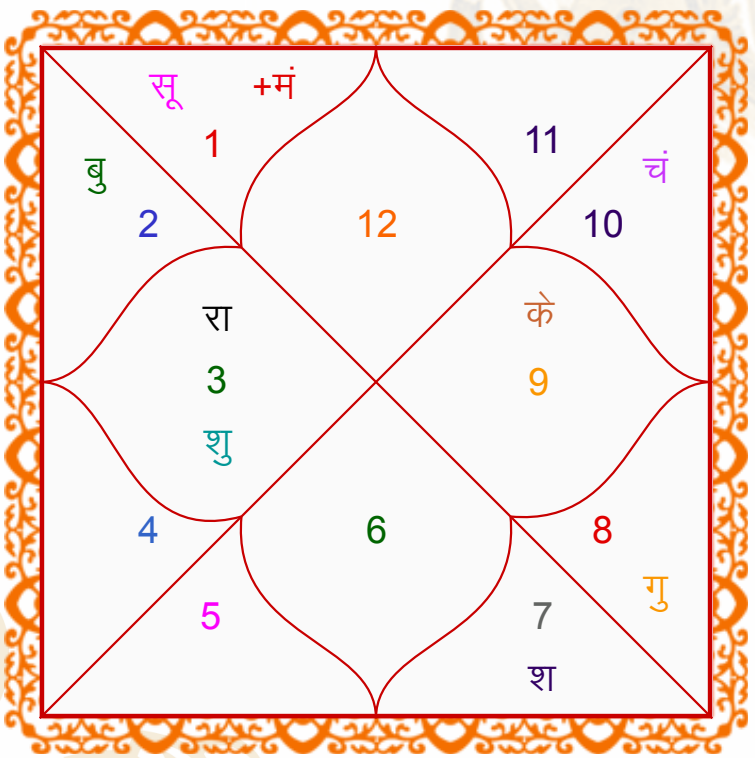


## चन्द्र कुंडली

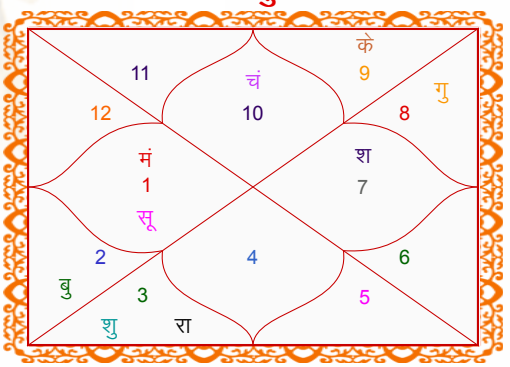


## नवमांश कुंडली

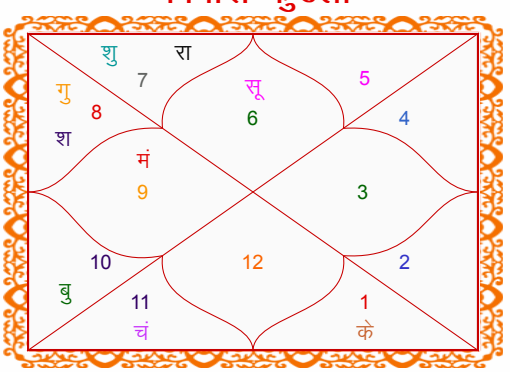

# षट्बल तथा भावबल सारिणी

## षट्बल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उच्च बल | 57 | 21 | 30 | 16 | 17 | 39 | 56 |
| सप्तवर्गज बल | 128 | 120 | 116 | 111 | 92 | 143 | 66 |
| ओजयुग्मक बल | 15 | 15 | 30 | 0 | 0 | 0 | 15 |
| केन्द्र बल | 30 | 30 | 30 | 15 | 15 | 60 | 30 |
| द्रेष्काण बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल स्थान बल | 229 | 186 | 207 | 141 | 123 | 241 | 166 |
| कुल दिग्बल | 16 | 9 | 14 | 42 | 22 | 57 | 51 |
| नतोन्नत बल | 17 | 43 | 43 | 60 | 17 | 17 | 43 |
| पक्ष बल | 26 | 69 | 26 | 34 | 34 | 34 | 26 |
| त्रिभाग बल | 0 | 0 | 60 | 0 | 60 | 0 | 0 |
| अब्द बल | 0 | 15 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| मास बल | 30 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| वार बल | 0 | 0 | 45 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| होरा बल | 0 | 0 | 60 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अयन बल | 101 | 56 | 53 | 55 | 2 | 60 | 45 |
| युद्ध बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल कालबल | 174 | 183 | 287 | 149 | 114 | 111 | 114 |
| कुल चेष्टाबल | 0 | 0 | 2 | 50 | 51 | 30 | 55 |
| कुल नैसर्गिक बल | 60 | 51 | 17 | 26 | 34 | 43 | 9 |
| कुल दृग्बल | -2 | -14 | 2 | 4 | -5 | 5 | -1 |
| कुल षट्बल | 478 | 415 | 528 | 413 | 339 | 488 | 393 |
| रूप षट्बल | 8.0 | 6.9 | 8.8 | 6.9 | 5.7 | 8.1 | 6.5 |
| न्यूनतम आवश्यकता | 5 | 6 | 5 | 7 | 7 | 6 | 5 |
| अनुपात | 1.6 | 1.2 | 1.8 | 1.0 | 0.9 | 1.5 | 1.3 |
| संबंधित पद | 2 | 5 | 1 | 6 | 7 | 3 | 4 |

## इष्ट फल

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इष्ट फल | 50.21 | 26.89 | 7.66 | 27.87 | 28.99 | 34.21 | 55.32 |
| कष्ट फल | 6.97 | 31.58 | 41.53 | 21.21 | 20.06 | 25.11 | 4.67 |

## भाव बल

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भावाधिपति बल | 339 | 528 | 488 | 413 | 415 | 478 | 413 | 488 | 528 | 339 | 393 | 393 |
| भावदिग्बल | 30 | 20 | 10 | 30 | 50 | 20 | 0 | 10 | 40 | 30 | 50 | 50 |
| भावदृष्टि बल | 39 | 33 | 42 | 42 | 41 | 84 | 36 | 7 | 34 | 18 | 26 | 46 |
| कुल भाव बल | 409 | 581 | 540 | 484 | 506 | 582 | 449 | 505 | 602 | 387 | 469 | 489 |
| रूप भाव बल | 6.8 | 9.7 | 9.0 | 8.1 | 8.4 | 9.7 | 7.5 | 8.4 | 10.0 | 6.5 | 7.8 | 8.1 |
| संबंधित पद | 11 | 3 | 4 | 8 | 5 | 2 | 10 | 6 | 1 | 12 | 9 | 7 |

# भाव बल ग्राफ

## भावाधिपति बल

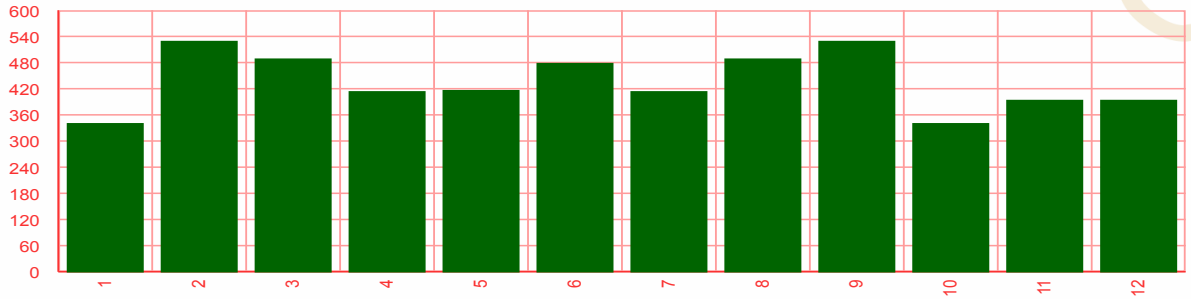


## भावदिग्बल

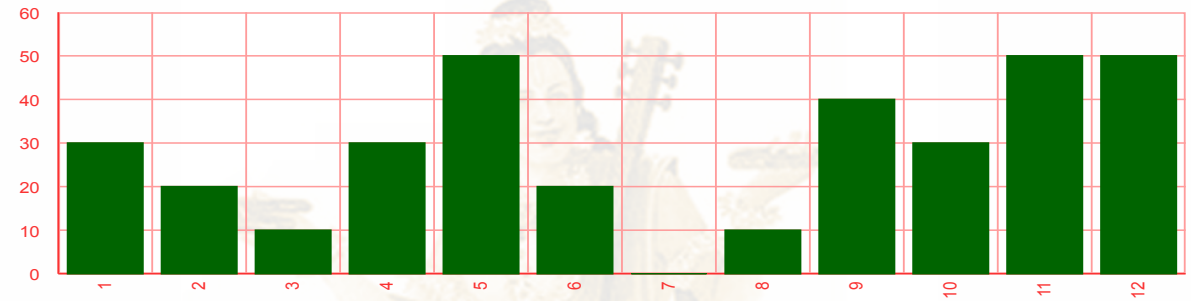


## भावदृष्टि बल

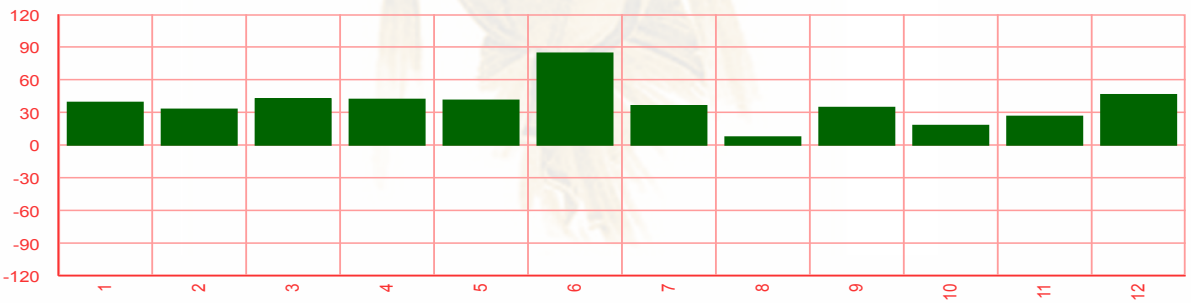


## भाव बल

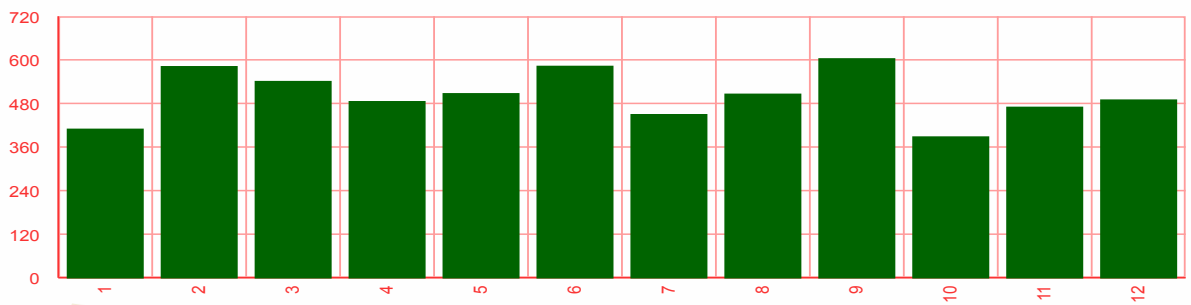

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 9 मास 8 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|
| 04/05/1983 | |
| 09/02/1985 | |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |
| | 04/05/1983 |
| बुध | 05/10/1983 |
| केतु | 10/02/1984 |
| शुक्र | 09/02/1985 |

| चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|
| 09/02/1985 | |
| 10/02/1995 | |
| चंद्र | 11/12/1985 |
| मंगल | 12/07/1986 |
| राहु | 10/01/1988 |
| गुरु | 11/05/1989 |
| शनि | 11/12/1990 |
| बुध | 11/05/1992 |
| केतु | 10/12/1992 |
| शुक्र | 11/08/1994 |
| सूर्य | 10/02/1995 |

| मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/1995 | |
| 09/02/2002 | |
| मंगल | 09/07/1995 |
| राहु | 26/07/1996 |
| गुरु | 02/07/1997 |
| शनि | 11/08/1998 |
| बुध | 08/08/1999 |
| केतु | 04/01/2000 |
| शुक्र | 06/03/2001 |
| सूर्य | 11/07/2001 |
| चंद्र | 09/02/2002 |

| राहु 18 वर्ष | |
|---|---|
| 09/02/2002 | |
| 10/02/2020 | |
| राहु | 23/10/2004 |
| गुरु | 18/03/2007 |
| शनि | 22/01/2010 |
| बुध | 11/08/2012 |
| केतु | 29/08/2013 |
| शुक्र | 29/08/2016 |
| सूर्य | 24/07/2017 |
| चंद्र | 22/01/2019 |
| मंगल | 10/02/2020 |

| गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2020 | |
| 10/02/2036 | |
| गुरु | 30/03/2022 |
| शनि | 10/10/2024 |
| बुध | 16/01/2027 |
| केतु | 23/12/2027 |
| शुक्र | 23/08/2030 |
| सूर्य | 11/06/2031 |
| चंद्र | 10/10/2032 |
| मंगल | 16/09/2033 |
| राहु | 10/02/2036 |

| शनि 19 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2036 | |
| 10/02/2055 | |
| शनि | 13/02/2039 |
| बुध | 23/10/2041 |
| केतु | 02/12/2042 |
| शुक्र | 31/01/2046 |
| सूर्य | 13/01/2047 |
| चंद्र | 14/08/2048 |
| मंगल | 22/09/2049 |
| राहु | 29/07/2052 |
| गुरु | 10/02/2055 |

| बुध 17 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2055 | |
| 10/02/2072 | |
| बुध | 08/07/2057 |
| केतु | 06/07/2058 |
| शुक्र | 05/05/2061 |
| सूर्य | 12/03/2062 |
| चंद्र | 11/08/2063 |
| मंगल | 07/08/2064 |
| राहु | 25/02/2067 |
| गुरु | 02/06/2069 |
| शनि | 10/02/2072 |

| केतु 7 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2072 | |
| 10/02/2079 | |
| केतु | 08/07/2072 |
| शुक्र | 07/09/2073 |
| सूर्य | 13/01/2074 |
| चंद्र | 14/08/2074 |
| मंगल | 10/01/2075 |
| राहु | 29/01/2076 |
| गुरु | 04/01/2077 |
| शनि | 12/02/2078 |
| बुध | 10/02/2079 |

| शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2079 | |
| 10/02/2099 | |
| शुक्र | 11/06/2082 |
| सूर्य | 11/06/2083 |
| चंद्र | 09/02/2085 |
| मंगल | 11/04/2086 |
| राहु | 11/04/2089 |
| गुरु | 11/12/2091 |
| शनि | 10/02/2095 |
| बुध | 11/12/2097 |
| केतु | 10/02/2099 |

| सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|
| 10/02/2099 | |
| 00/00/0000 | |
| सूर्य | 30/05/2099 |
| चंद्र | 29/11/2099 |
| मंगल | 06/04/2100 |
| राहु | 28/02/2101 |
| गुरु | 18/12/2101 |
| शनि | 30/11/2102 |
| बुध | 05/05/2103 |
| | 00/00/0000 |
| | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 9 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| गुरु - गुरु | |
|---|---|
| 10/02/2020 | |
| 30/03/2022 | |
| गुरु | 24/05/2020 |
| शनि | 24/09/2020 |
| बुध | 13/01/2021 |
| केतु | 27/02/2021 |
| शुक्र | 07/07/2021 |
| सूर्य | 15/08/2021 |
| चंद्र | 19/10/2021 |
| मंगल | 03/12/2021 |
| राहु | 30/03/2022 |

| गुरु - शनि | |
|---|---|
| 30/03/2022 | |
| 10/10/2024 | |
| शनि | 24/08/2022 |
| बुध | 02/01/2023 |
| केतु | 25/02/2023 |
| शुक्र | 29/07/2023 |
| सूर्य | 13/09/2023 |
| चंद्र | 29/11/2023 |
| मंगल | 22/01/2024 |
| राहु | 09/06/2024 |
| गुरु | 10/10/2024 |

| गुरु - बुध | |
|---|---|
| 10/10/2024 | |
| 16/01/2027 | |
| बुध | 05/02/2025 |
| केतु | 25/03/2025 |
| शुक्र | 10/08/2025 |
| सूर्य | 20/09/2025 |
| चंद्र | 28/11/2025 |
| मंगल | 16/01/2026 |
| राहु | 20/05/2026 |
| गुरु | 07/09/2026 |
| शनि | 16/01/2027 |

| गुरु - केतु | |
|---|---|
| 16/01/2027 | |
| 23/12/2027 | |
| केतु | 05/02/2027 |
| शुक्र | 03/04/2027 |
| सूर्य | 20/04/2027 |
| चंद्र | 18/05/2027 |
| मंगल | 07/06/2027 |
| राहु | 28/07/2027 |
| गुरु | 12/09/2027 |
| शनि | 05/11/2027 |
| बुध | 23/12/2027 |

| गुरु - शुक्र | |
|---|---|
| 23/12/2027 | |
| 23/08/2030 | |
| शुक्र | 03/06/2028 |
| सूर्य | 21/07/2028 |
| चंद्र | 10/10/2028 |
| मंगल | 06/12/2028 |
| राहु | 01/05/2029 |
| गुरु | 08/09/2029 |
| शनि | 09/02/2030 |
| बुध | 27/06/2030 |
| केतु | 23/08/2030 |

| गुरु - सूर्य | |
|---|---|
| 23/08/2030 | |
| 11/06/2031 | |
| सूर्य | 07/09/2030 |
| चंद्र | 01/10/2030 |
| मंगल | 18/10/2030 |
| राहु | 01/12/2030 |
| गुरु | 09/01/2031 |
| शनि | 24/02/2031 |
| बुध | 07/04/2031 |
| केतु | 24/04/2031 |
| शुक्र | 11/06/2031 |

| गुरु - चंद्र | |
|---|---|
| 11/06/2031 | |
| 10/10/2032 | |
| चंद्र | 22/07/2031 |
| मंगल | 19/08/2031 |
| राहु | 31/10/2031 |
| गुरु | 04/01/2032 |
| शनि | 21/03/2032 |
| बुध | 29/05/2032 |
| केतु | 27/06/2032 |
| शुक्र | 16/09/2032 |
| सूर्य | 10/10/2032 |

| गुरु - मंगल | |
|---|---|
| 10/10/2032 | |
| 16/09/2033 | |
| मंगल | 30/10/2032 |
| राहु | 20/12/2032 |
| गुरु | 04/02/2033 |
| शनि | 30/03/2033 |
| बुध | 17/05/2033 |
| केतु | 06/06/2033 |
| शुक्र | 02/08/2033 |
| सूर्य | 19/08/2033 |
| चंद्र | 16/09/2033 |

| गुरु - राहु | |
|---|---|
| 16/09/2033 | |
| 10/02/2036 | |
| राहु | 26/01/2034 |
| गुरु | 23/05/2034 |
| शनि | 08/10/2034 |
| बुध | 10/02/2035 |
| केतु | 02/04/2035 |
| शुक्र | 26/08/2035 |
| सूर्य | 09/10/2035 |
| चंद्र | 21/12/2035 |
| मंगल | 10/02/2036 |

| शनि - शनि | |
|---|---|
| 10/02/2036 | |
| 13/02/2039 | |
| शनि | 02/08/2036 |
| बुध | 05/01/2037 |
| केतु | 10/03/2037 |
| शुक्र | 09/09/2037 |
| सूर्य | 03/11/2037 |
| चंद्र | 02/02/2038 |
| मंगल | 07/04/2038 |
| राहु | 19/09/2038 |
| गुरु | 13/02/2039 |

| शनि - बुध | |
|---|---|
| 13/02/2039 | |
| 23/10/2041 | |
| बुध | 02/07/2039 |
| केतु | 28/08/2039 |
| शुक्र | 08/02/2040 |
| सूर्य | 28/03/2040 |
| चंद्र | 18/06/2040 |
| मंगल | 15/08/2040 |
| राहु | 09/01/2041 |
| गुरु | 20/05/2041 |
| शनि | 23/10/2041 |

| शनि - केतु | |
|---|---|
| 23/10/2041 | |
| 02/12/2042 | |
| केतु | 15/11/2041 |
| शुक्र | 22/01/2042 |
| सूर्य | 11/02/2042 |
| चंद्र | 17/03/2042 |
| मंगल | 10/04/2042 |
| राहु | 09/06/2042 |
| गुरु | 02/08/2042 |
| शनि | 05/10/2042 |
| बुध | 02/12/2042 |

| शनि - शुक्र | |
|---|---|
| 02/12/2042 | |
| 31/01/2046 | |
| शुक्र | 12/06/2043 |
| सूर्य | 09/08/2043 |
| चंद्र | 14/11/2043 |
| मंगल | 20/01/2044 |
| राहु | 12/07/2044 |
| गुरु | 13/12/2044 |
| शनि | 14/06/2045 |
| बुध | 25/11/2045 |
| केतु | 31/01/2046 |

| शनि - सूर्य | |
|---|---|
| 31/01/2046 | |
| 13/01/2047 | |
| सूर्य | 18/02/2046 |
| चंद्र | 19/03/2046 |
| मंगल | 08/04/2046 |
| राहु | 30/05/2046 |
| गुरु | 15/07/2046 |
| शनि | 08/09/2046 |
| बुध | 27/10/2046 |
| केतु | 16/11/2046 |
| शुक्र | 13/01/2047 |

| शनि - चंद्र | |
|---|---|
| 13/01/2047 | |
| 14/08/2048 | |
| चंद्र | 02/03/2047 |
| मंगल | 05/04/2047 |
| राहु | 01/07/2047 |
| गुरु | 16/09/2047 |
| शनि | 17/12/2047 |
| बुध | 08/03/2048 |
| केतु | 10/04/2048 |
| शुक्र | 16/07/2048 |
| सूर्य | 14/08/2048 |

# विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

| शनि - मंगल | |
|---|---|
| 14/08/2048 | |
| 22/09/2049 | |
| मंगल | 06/09/2048 |
| राहु | 06/11/2048 |
| गुरु | 30/12/2048 |
| शनि | 04/03/2049 |
| बुध | 30/04/2049 |
| केतु | 24/05/2049 |
| शुक्र | 30/07/2049 |
| सूर्य | 20/08/2049 |
| चंद्र | 22/09/2049 |

| शनि - राहु | |
|---|---|
| 22/09/2049 | |
| 29/07/2052 | |
| राहु | 26/02/2050 |
| गुरु | 14/07/2050 |
| शनि | 26/12/2050 |
| बुध | 23/05/2051 |
| केतु | 22/07/2051 |
| शुक्र | 12/01/2052 |
| सूर्य | 04/03/2052 |
| चंद्र | 30/05/2052 |
| मंगल | 29/07/2052 |

| शनि - गुरु | |
|---|---|
| 29/07/2052 | |
| 10/02/2055 | |
| गुरु | 30/11/2052 |
| शनि | 25/04/2053 |
| बुध | 03/09/2053 |
| केतु | 27/10/2053 |
| शुक्र | 31/03/2054 |
| सूर्य | 16/05/2054 |
| चंद्र | 01/08/2054 |
| मंगल | 24/09/2054 |
| राहु | 10/02/2055 |

| बुध - बुध | |
|---|---|
| 10/02/2055 | |
| 08/07/2057 | |
| बुध | 14/06/2055 |
| केतु | 05/08/2055 |
| शुक्र | 29/12/2055 |
| सूर्य | 11/02/2056 |
| चंद्र | 24/04/2056 |
| मंगल | 15/06/2056 |
| राहु | 25/10/2056 |
| गुरु | 19/02/2057 |
| शनि | 08/07/2057 |

| बुध - केतु | |
|---|---|
| 08/07/2057 | |
| 06/07/2058 | |
| केतु | 29/07/2057 |
| शुक्र | 28/09/2057 |
| सूर्य | 16/10/2057 |
| चंद्र | 15/11/2057 |
| मंगल | 06/12/2057 |
| राहु | 30/01/2058 |
| गुरु | 19/03/2058 |
| शनि | 15/05/2058 |
| बुध | 06/07/2058 |

| बुध - शुक्र | |
|---|---|
| 06/07/2058 | |
| 05/05/2061 | |
| शुक्र | 25/12/2058 |
| सूर्य | 15/02/2059 |
| चंद्र | 12/05/2059 |
| मंगल | 11/07/2059 |
| राहु | 14/12/2059 |
| गुरु | 30/04/2060 |
| शनि | 10/10/2060 |
| बुध | 06/03/2061 |
| केतु | 05/05/2061 |

| बुध - सूर्य | |
|---|---|
| 05/05/2061 | |
| 12/03/2062 | |
| सूर्य | 21/05/2061 |
| चंद्र | 16/06/2061 |
| मंगल | 04/07/2061 |
| राहु | 19/08/2061 |
| गुरु | 30/09/2061 |
| शनि | 18/11/2061 |
| बुध | 01/01/2062 |
| केतु | 19/01/2062 |
| शुक्र | 12/03/2062 |

| बुध - चंद्र | |
|---|---|
| 12/03/2062 | |
| 11/08/2063 | |
| चंद्र | 24/04/2062 |
| मंगल | 24/05/2062 |
| राहु | 10/08/2062 |
| गुरु | 18/10/2062 |
| शनि | 08/01/2063 |
| बुध | 22/03/2063 |
| केतु | 21/04/2063 |
| शुक्र | 16/07/2063 |
| सूर्य | 11/08/2063 |

| बुध - मंगल | |
|---|---|
| 11/08/2063 | |
| 07/08/2064 | |
| मंगल | 01/09/2063 |
| राहु | 26/10/2063 |
| गुरु | 13/12/2063 |
| शनि | 08/02/2064 |
| बुध | 31/03/2064 |
| केतु | 21/04/2064 |
| शुक्र | 20/06/2064 |
| सूर्य | 08/07/2064 |
| चंद्र | 07/08/2064 |

| बुध - राहु | |
|---|---|
| 07/08/2064 | |
| 25/02/2067 | |
| राहु | 25/12/2064 |
| गुरु | 28/04/2065 |
| शनि | 23/09/2065 |
| बुध | 02/02/2066 |
| केतु | 28/03/2066 |
| शुक्र | 30/08/2066 |
| सूर्य | 16/10/2066 |
| चंद्र | 02/01/2067 |
| मंगल | 25/02/2067 |

| बुध - गुरु | |
|---|---|
| 25/02/2067 | |
| 02/06/2069 | |
| गुरु | 15/06/2067 |
| शनि | 24/10/2067 |
| बुध | 19/02/2068 |
| केतु | 07/04/2068 |
| शुक्र | 23/08/2068 |
| सूर्य | 03/10/2068 |
| चंद्र | 11/12/2068 |
| मंगल | 29/01/2069 |
| राहु | 02/06/2069 |

| बुध - शनि | |
|---|---|
| 02/06/2069 | |
| 10/02/2072 | |
| शनि | 04/11/2069 |
| बुध | 24/03/2070 |
| केतु | 20/05/2070 |
| शुक्र | 31/10/2070 |
| सूर्य | 19/12/2070 |
| चंद्र | 11/03/2071 |
| मंगल | 07/05/2071 |
| राहु | 02/10/2071 |
| गुरु | 10/02/2072 |

| केतु - केतु | |
|---|---|
| 10/02/2072 | |
| 08/07/2072 | |
| केतु | 19/02/2072 |
| शुक्र | 14/03/2072 |
| सूर्य | 22/03/2072 |
| चंद्र | 03/04/2072 |
| मंगल | 12/04/2072 |
| राहु | 04/05/2072 |
| गुरु | 24/05/2072 |
| शनि | 17/06/2072 |
| बुध | 08/07/2072 |

| केतु - शुक्र | |
|---|---|
| 08/07/2072 | |
| 07/09/2073 | |
| शुक्र | 17/09/2072 |
| सूर्य | 08/10/2072 |
| चंद्र | 13/11/2072 |
| मंगल | 08/12/2072 |
| राहु | 10/02/2073 |
| गुरु | 07/04/2073 |
| शनि | 14/06/2073 |
| बुध | 13/08/2073 |
| केतु | 07/09/2073 |

| केतु - सूर्य | |
|---|---|
| 07/09/2073 | |
| 13/01/2074 | |
| सूर्य | 14/09/2073 |
| चंद्र | 24/09/2073 |
| मंगल | 02/10/2073 |
| राहु | 21/10/2073 |
| गुरु | 07/11/2073 |
| शनि | 27/11/2073 |
| बुध | 15/12/2073 |
| केतु | 23/12/2073 |
| शुक्र | 13/01/2074 |